

भारतीय गैर न्यायिक

दस
रुपये
रु. 10

TEN
RUPEES

Rs. 10

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

76AA 029294

११ - २ अगस्त १९८० नं. १५१६ दिनांक

पदा-२ सुना-स.र. ११

1000Rs.



Court Compound - Kumbhari

INDIA NON JUDICIAL
 1/10/11

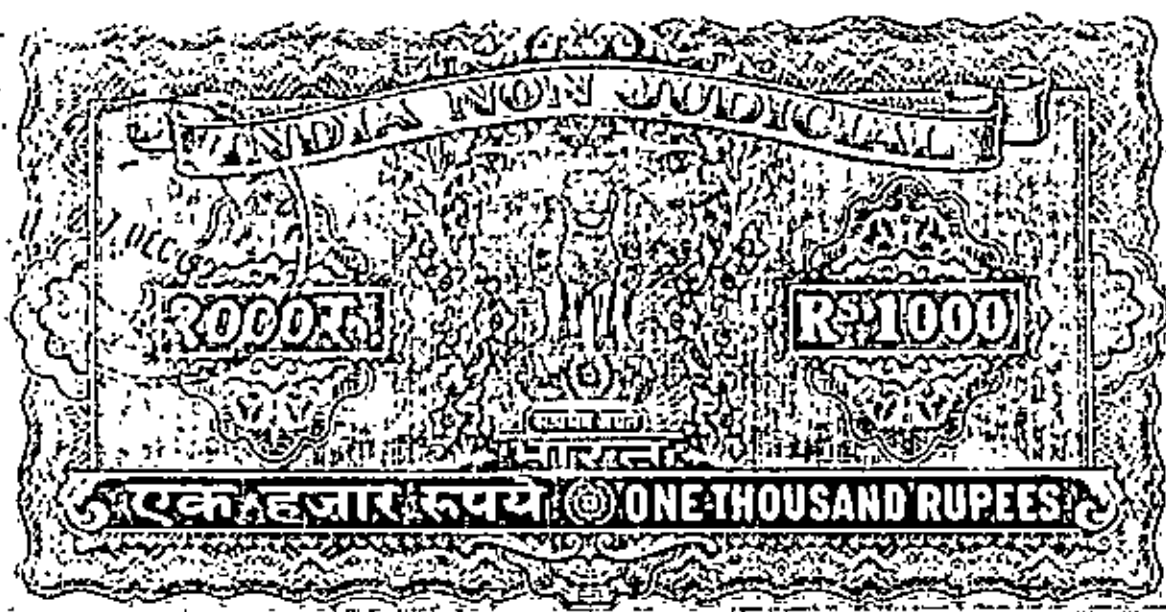
॥ श्रीगणेशायनमः ॥

मन कि शिवबान उर्फ सोबान अयस्क पुत्र स्व०

नाम्ना विवाहि मकान नम्बर ६० बरी कल्यानपुरा

विवाहः ————— श्रीवत्सल
 विवाहः —————

१
 ३



(२)

परगना व तालीक पब्लिश कानपुर नगर का है।

विदित हो कि मिन मुक्ति वाराणसी मुमिधरी

मन्थरी ५७६ पति सौ हिल्ला रफना ०, ०१० से

शिवनरन
शिवनरन

४

५



(3)

व आराजी संख्या ५७७ रकबा ०. १०२ हे० कु दो

किता कु रकबा ०. ११२ हे० के १।४ भाग यानी रकबा

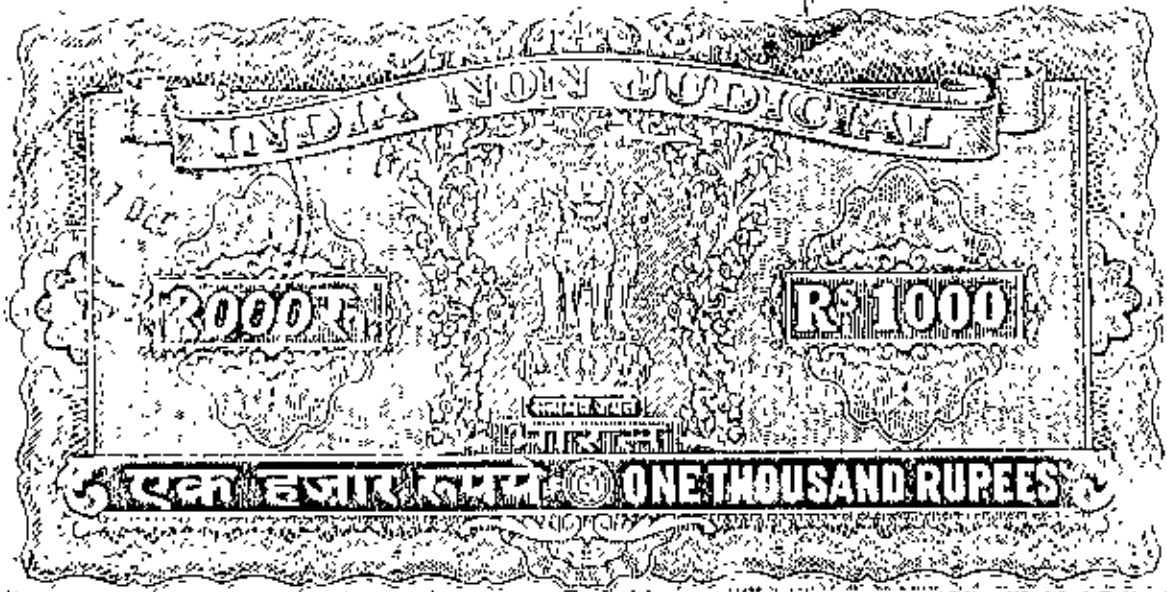
०. ०२ हे० व आराजी संख्या ५७७ पाँच सौ ससहत्तर

शिवनरज

शिवनरज

शिवनरज

1000Rs



(8)

के सम्पूर्ण भाग यानी कुल तीन किता कुल रकमा

0, 233 हे० यानी १) 2:14 स्थित मांजा बेरी जमवापुर

कद्वार परगना व तहसील बजिला कानपुर नगर का तर्जहा

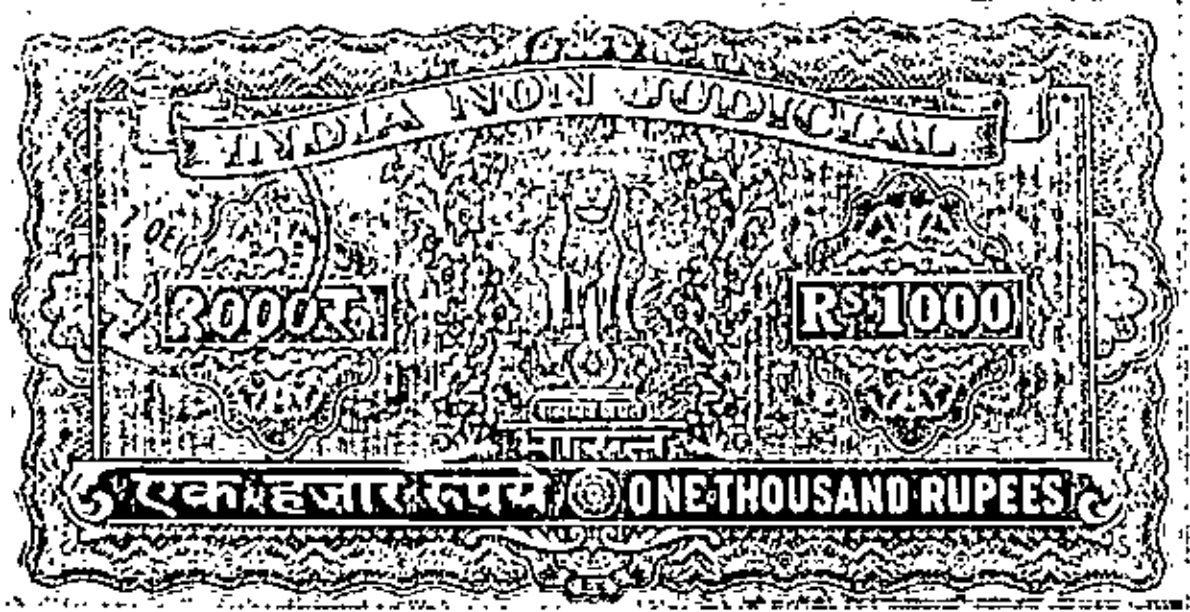
शिवचरन

दिना 11.11.11

शिवचरन

Handwritten signature or mark.

Handwritten mark or signature.



(५)

मानिक, काथिव कल्लोस संकुपणिय सुम्भिरकाशकार

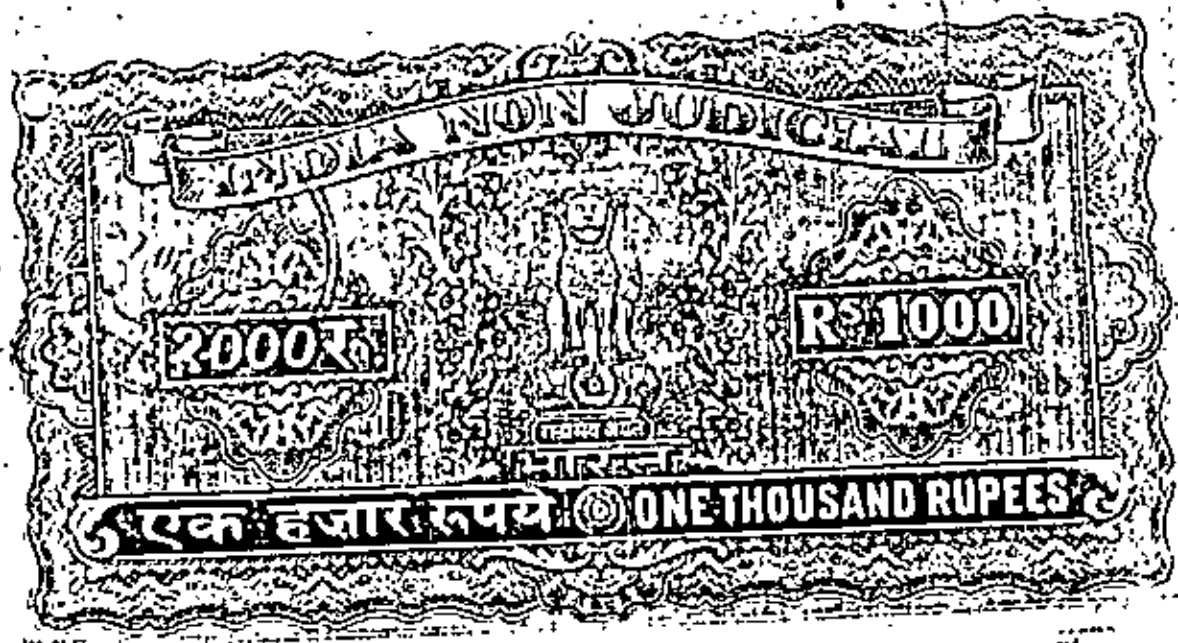
है। उपरोक्त वाराकी बुझीं है उपरोक्त वाराकी पित

पुक्ति को पित पुक्ति के पिता सब० नन्हा के माणो-

मियायल
मियायल
मियायल
मियायल

मियायल

1



(4)

परान्त हासिल हुई है कच्चा की मिन मुक्ति का है तथा

नाम के दन कागजात सरकारी हो बापदाद उपरान्त पर

मिन मुक्ति के अलावा अन्य कोई व्यक्ति स्वयं व हिससेदार

विजयवरा

विजयवरा

विजयवरा



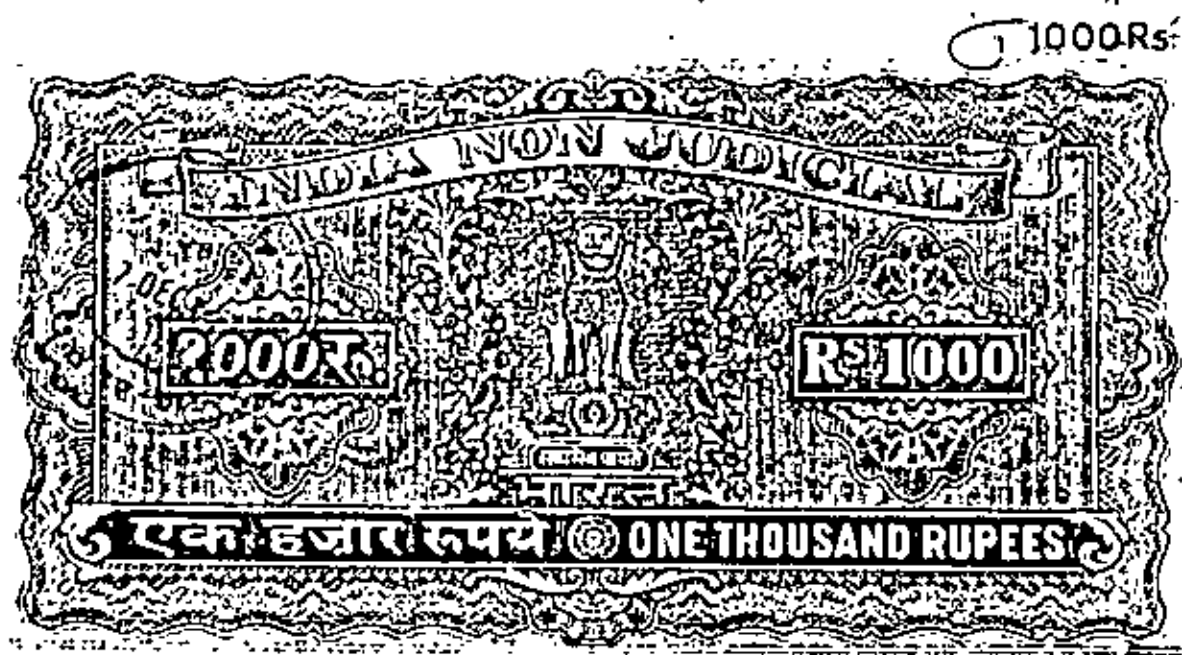
(७)

नहीं है। पिन मुक्ति की वाराणसीत उपरीकृत

विवरण एवं फल बाध पिन तक जुमला बार किफालत से

बरो पाक व साफ हो कहीं रत्न, बस, शिक्षा, यवक

निदेशिका ————— निदेशिका
निदेशिका ————— निदेशिका
निदेशिका ————— निदेशिका



(८)

मुख्यगणक, बयान्त वादि नहीं है तथा किसी डिगरी में

व्यवहारी डिगरी में पूर्ण बयान्त कर्तृ ने निष्ठाप नहीं किया

किसी बैंक ठोस वादि में बयान्त को नहीं है तथा किसी

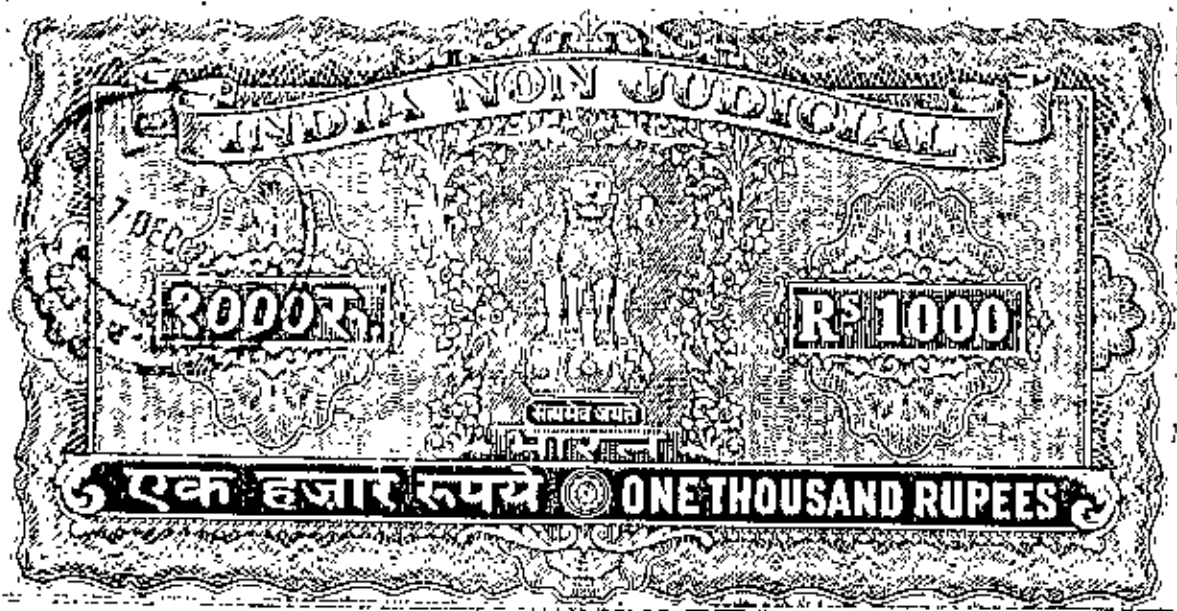
प्रमाण

प्रमाण

प्रमाण

प्रमाण

प्रमाण



(६)

मौलाना सरकारी द्वारा ख़्वायज़ नहीं की गयी है

वो न कोई हललत इनकम टैक्स न सेल टैक्स की ही है।

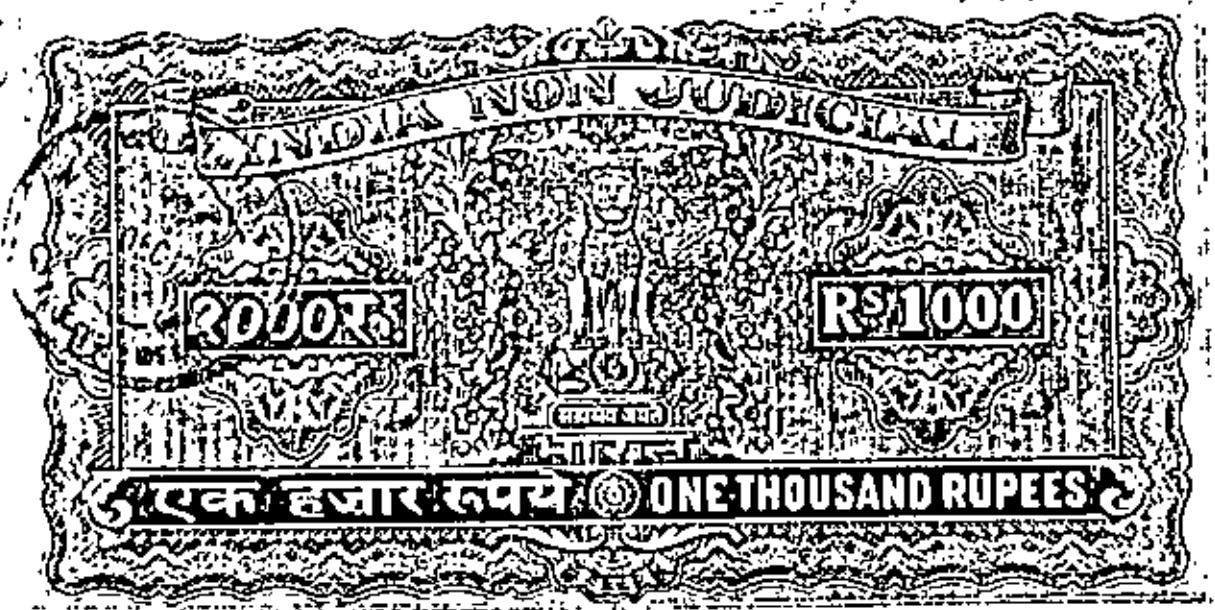
तथा किसी न्यायालय या मौलाना सरकारी द्वारा पिन

शिववस्तु
शिववस्तु

शिववस्तु

१

२



(१०)

मुक्ति को उक्त धाराधियात को विजय वादि करने से जो

रहित नहीं मता है। करने कि बायबाद उपरविता बाय दिन

तक हर प्रकार से पाक व साफ है तथा पिन मुक्ति को उक्त

शिवराम

शिवराम

शिवराम



(11)

वाराणसीत विवरण हस्त ले को अंगरिये सनाया विषय

करने सम्बन्धी सम्पत्ति अधिकार प्राप्तिकाना हासिल है। कि

मिन् मुक्ति को वास्तु करने हादो. तहकी व पकान बनवाने

शिवाजी

शिवाजी

शिवाजी

शिवाजी



(१२)

व अन्य सहाजात के लिये रजप्या की सख बावश्यकता

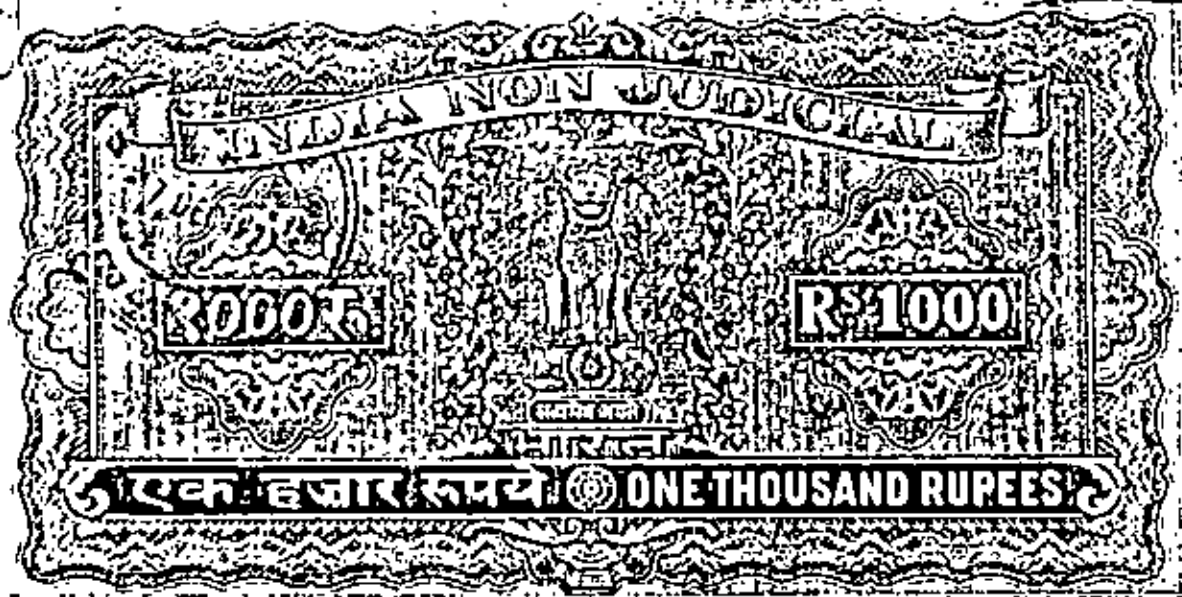
वरपश है, नो कि बिना बेने छुये वाराक्यात उपरोक्त

विवरण हख जैल पिन मुकिर कीनरजरत रफा नहीं हो

1. वाराक्यात
2. वाराक्यात

1. वाराक्यात

1



(११)

सकृत् 'स' तिहास भिन मुक्ति ने उवाग वाराभ्यात

विषय विम्वनित्तिकी देवता मुनातिव उपक कर

देवने की वापत एषा उवाग वाग्वीत शूर की तो गुपत

शिवरत
शिवरत

शिवरत

[Handwritten signature]

[Handwritten mark]



(१४)

बप पर सि रवन मुशलि १,४२,१८७ - रुपया ५०

पेसा मे महावीर कौवापीटिष हावसिंग सोपायटी सि०

रमित्तेन गेल्या १६६८२ मुल्य कायसिप सिटी सेन्ध

श्रीधर

शिववार

शिववार

२

२



(१४)

माछाड शहर कानपुर द्वारा सचिव की २० के ३०

बाछिग पुत्र की २० के ३० के ३० निवासी पकान नम्बर

७३ बार० २०६ पुराव काकादेव शहर कानपुर खरीद करके

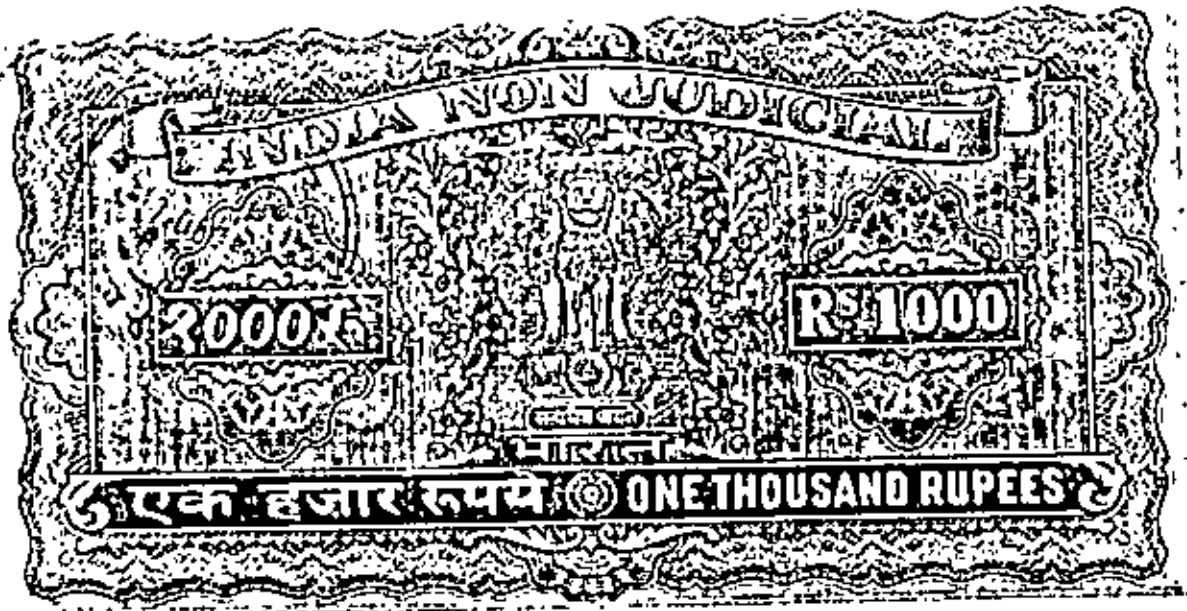
शिवलाल

शिवलाल

शिवलाल

२

२



(१५)

पर तैयार व रखागन्ध है, केमत निहायत पुनासिब व

बासिब है, बाजारी भाव से कम नहीं है और न इससे

ज्यादा केमत कोई दूसरा सख्य देने को तैयार है केमत

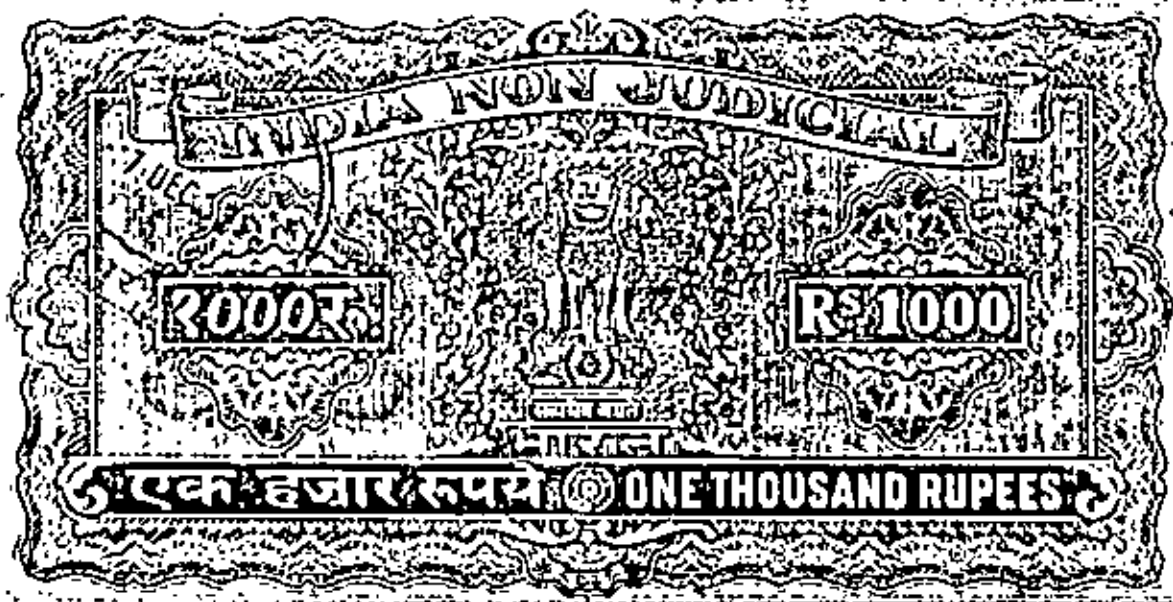
१५/८/५५

१५/८/५५

१५/८/५५

१५/८/५५

१५/८/५५



(१७)

मिन मुक्ति की मंजू व तस्वीप ले लिहाया बालसत सेमत

बात व राबात वस बहुरस्ती लीह हवाप फिता फिरी दाब

नाबायन के का मुमता एक व हक दास्तिप भागि कीमत

शिवराम ————— शिवराम
शिवराम

[Handwritten signature]

२



(१८)

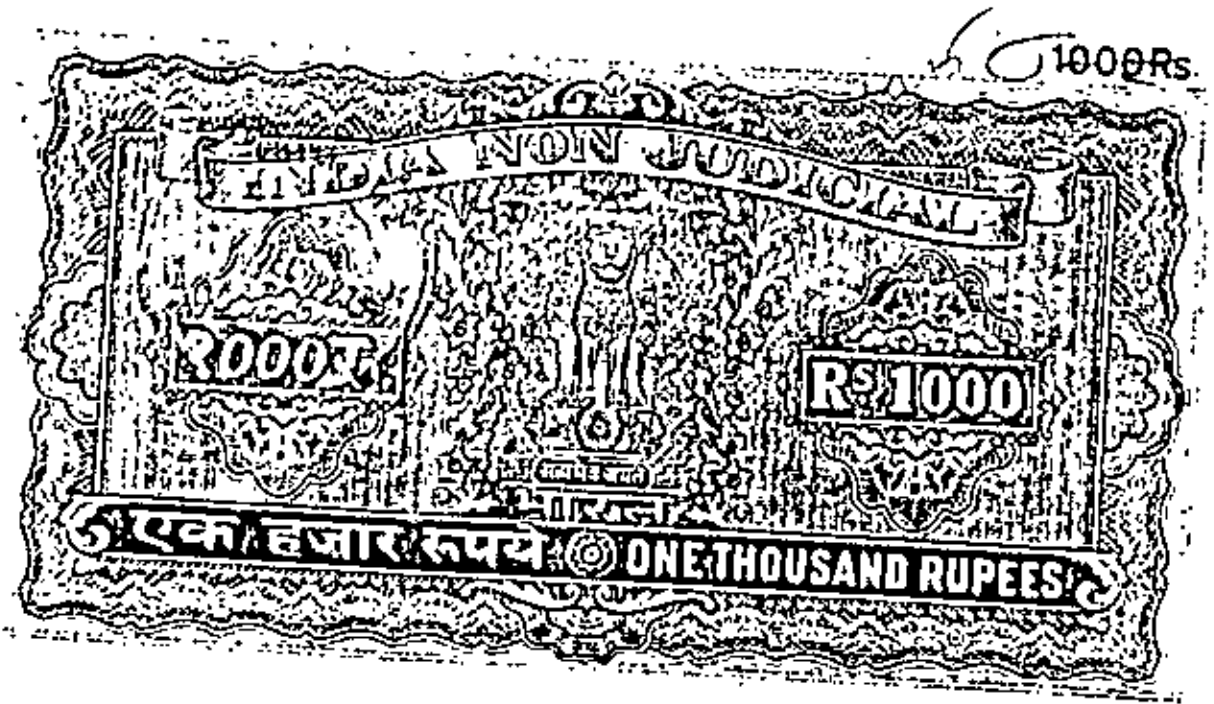
य जायन्ता पिना द्योः रूप किसी चीज के फिज रखन

मुद्रतिग १,४२,१८७) - रूप्या ५० फेरा एक तास क्यातिर

हजार एक सौ सत्तासी रूप्या पचास फेरा फिज वावे

शिवरतन
शिवरतन
शिवरतन

शिवरतन



(१६)

पुनर्निर्माण ७१, ०६३१ - १८५५७२ सेवा समस्तार क्वा

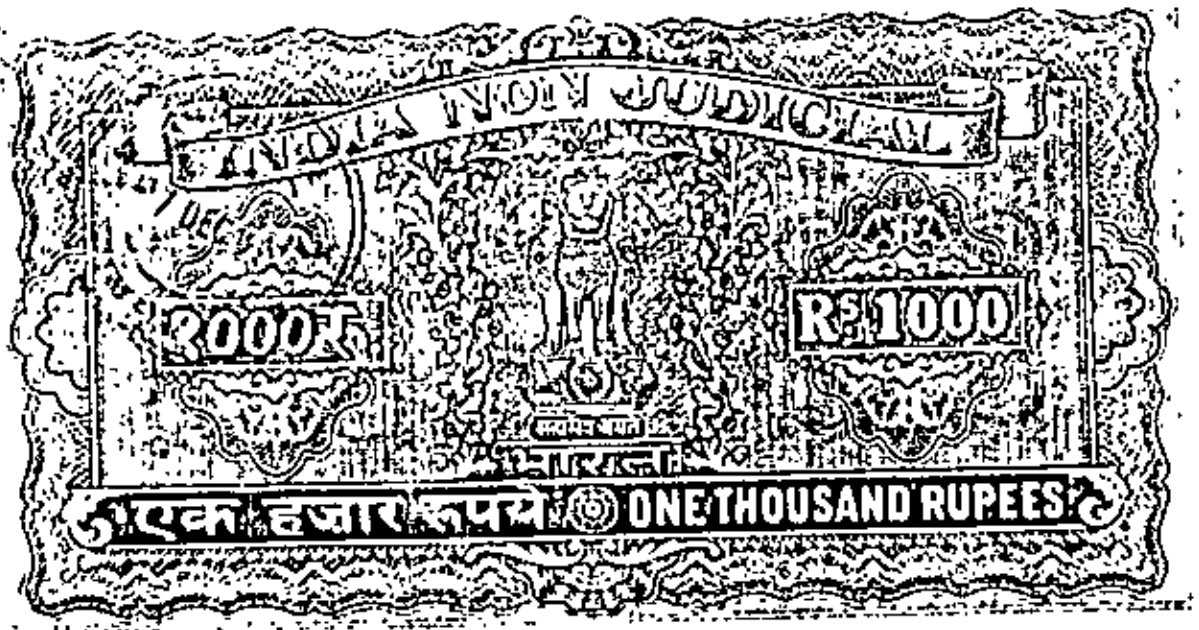
निर्माण १८५५७२ सेवा समस्तार हिन्दु सरकार

पुनर्निर्माण के होते हैं, कस्त पहादीर कोवापीटिप लउसिंग

शिवरत

शिवरत

शिवरत



(२०)

सोसायटी डि० रजिस्ट्रेशन संख्या ६६६/८२ पृष्ठ

कायलिय सिटी सेंटर माछरीह शहरकानपुर बरिये सचिव

जी ए० के० लि पृष्ठ जी के० के० के० निवासी पकान नम्बर

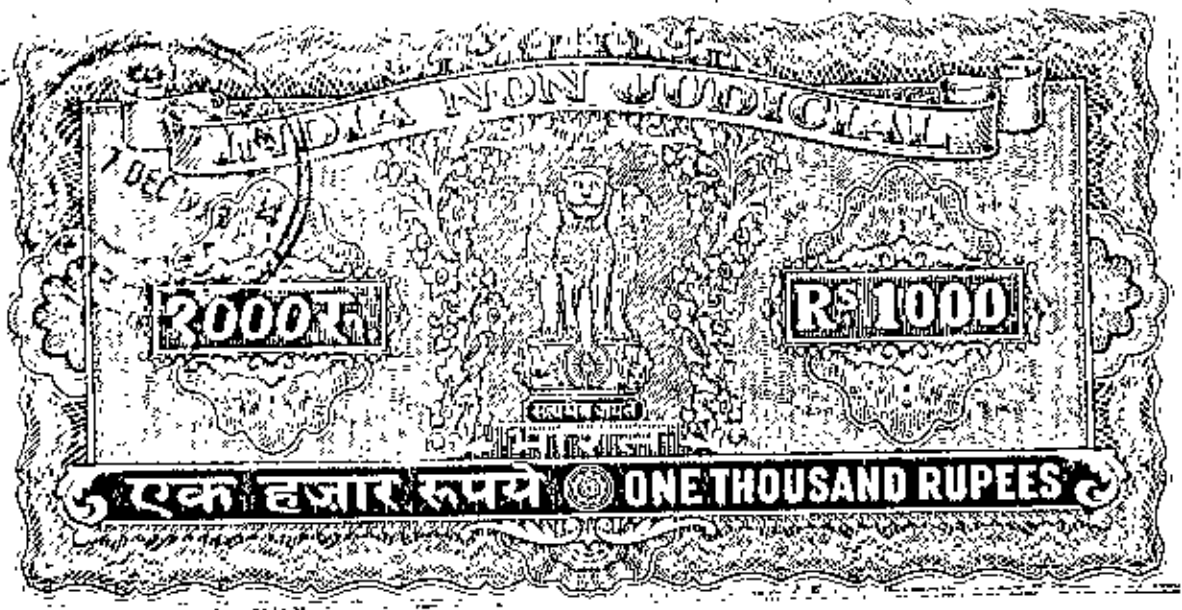
प्रशिक्षक - शिवलाल

प्रशिक्षक - प्रशिक्षक

2

h

1000Rs.



(२१)

७३ बा० प्र० प्र० का कावेर शहरकानपुर के का

कतई कर दिया यानी बेंव डाला तथा कुल कीमत निम्न

लिखित तरीकेपर दाम दाम बस मा लिया है निम्न

जिला न. जिला न.
जिला न. जिला न.

[Handwritten signature]

[Handwritten mark]



(२२)

पर धपन अब एक की पैदा पाना निम्ने लीदार के

केना नहीं रता। पिन मुक्ति नै जान की तारीख से

शायदाद मुँगा हाजा से वपना कब्जा व दम्प पाति-

शिराज

शिराज

शिराज

२

२



(२३)

काना व वाकई कर्तृ जायदाद मुक्या हाजा से अपना

हटा कर मिले अपने कब्जा वदल्ल जायदाद मुक्या हाजा पर

मालिकाना व वाकई तरीदार उपरोक्त का करा किया तथा

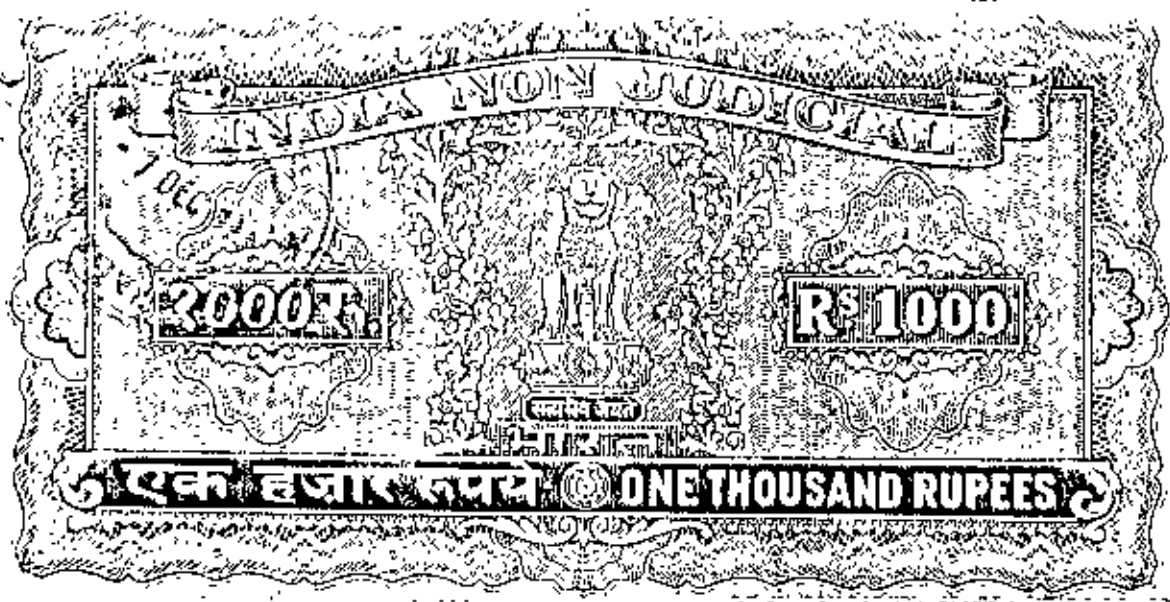
१
१२/११/११

मिर्जापुर

मिर्जापुर

१

२



(२४)

मालिक, काबिज करा दिया, जान की तामिह है लीदार

नाथदाद पुर्क्या हाजा का एक मात्र मालिक, काबिज वदहील

हो गया तथा उसे कुछ अधिकार मुक्ति की मति मालिकाना

शिवलाल

शिवलाल

शिवलाल

2

2



(२५)

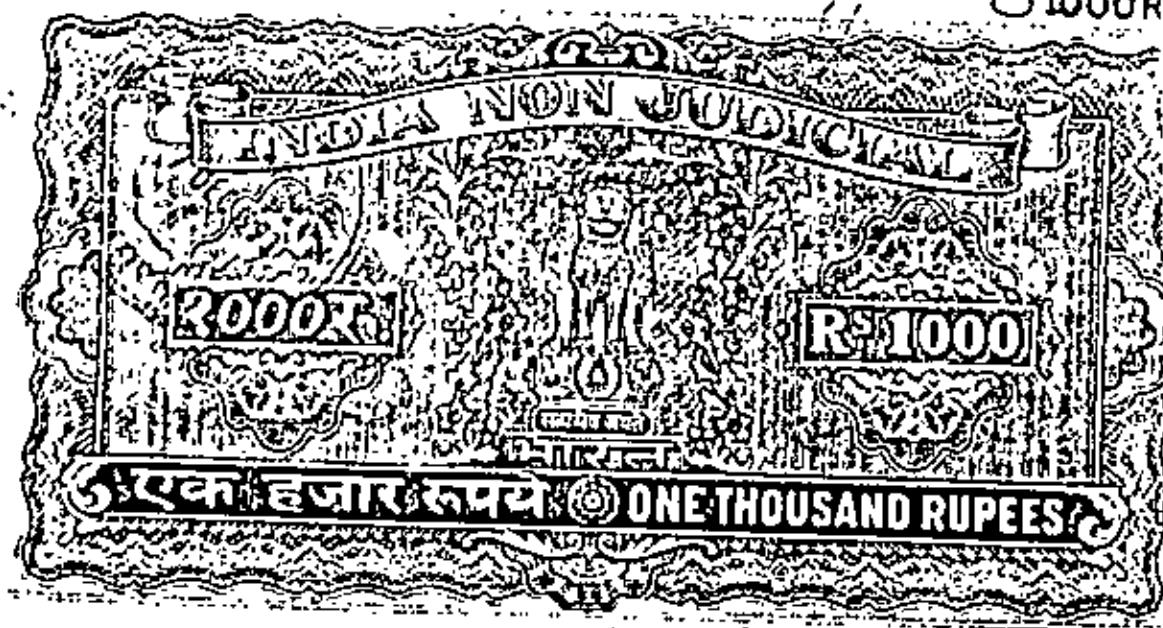
वह न्यायिक दायित्व व न्यायिक लाभ न्यायिक के

दायित्व हो गये। न्यायिक न्यायिक से बाह्य न्यायिक

न्यायिक लाभ को अपने स्वेच्छा व प्रयोग में लावे हसि मुक्ति

दि १०-११-१९८१

शिवदास



(२४)

य वाचिमान प्रुफि को फोर्ड उर व रतरा न होगा।

सहीदार को चाहिए कि वह अपना नाम कागजात सरकारी

में बसना प्रुविष्टित दने करा लेवे, तथा दने नाम प्रुत्ताम

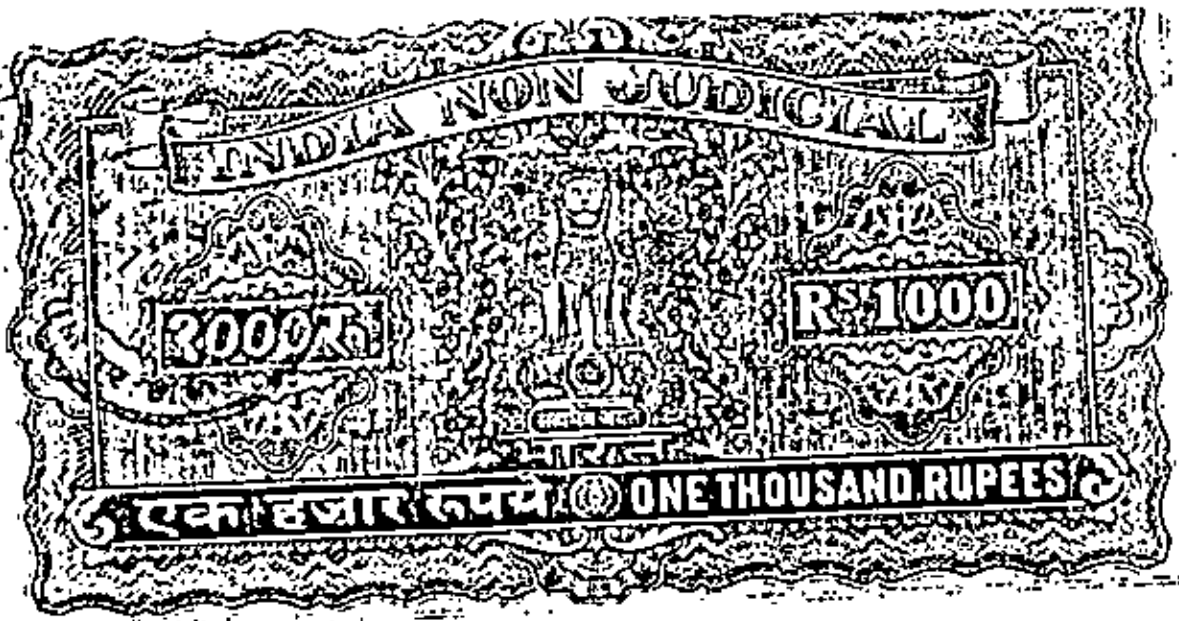
गिराजराज

शिवराम

गिराजराज

[Handwritten signature]

[Handwritten mark]



(२७)

करा है। जिसकी रबामन्दी इस अनायास हाना दाता

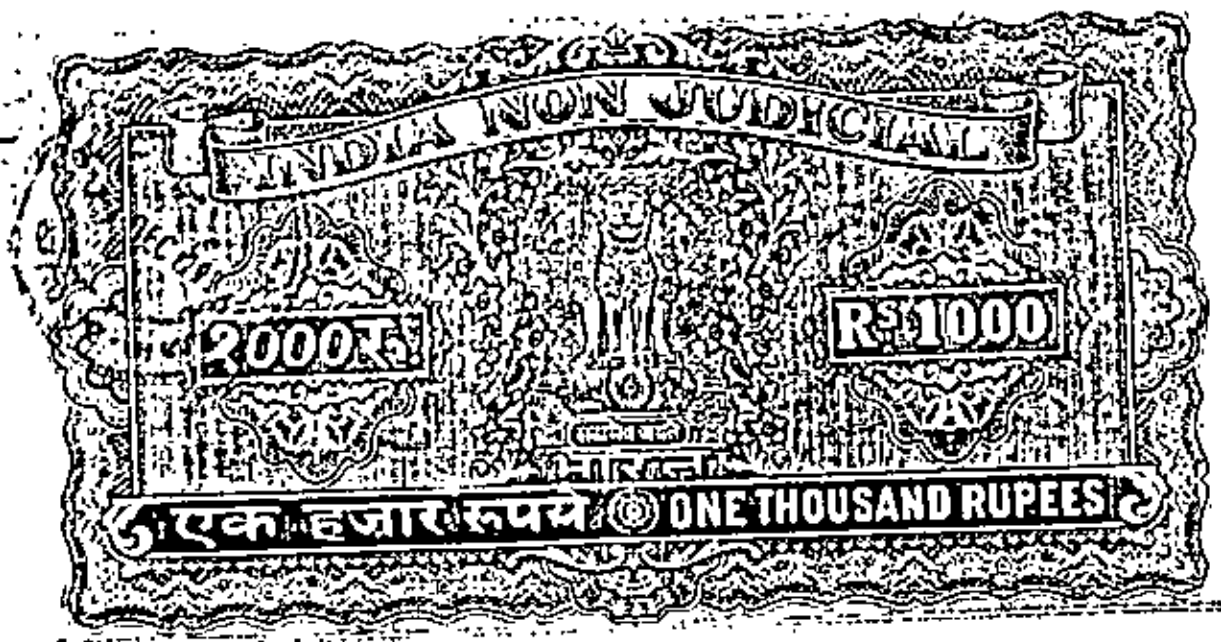
समझी जायेगी। फिर भी यदि कहीं गलत पड़े तो

मुक्तिवर्ती नहीं है व पुनः रबामन्दी देने की पावन्द

शिवराम
शिवराम

शिवराम

२



(रु)

रेगा। यदि बायदाद मुझा हावा का कु या कु

माग रुझा बदल मुझ के फेल या लकल या नुस

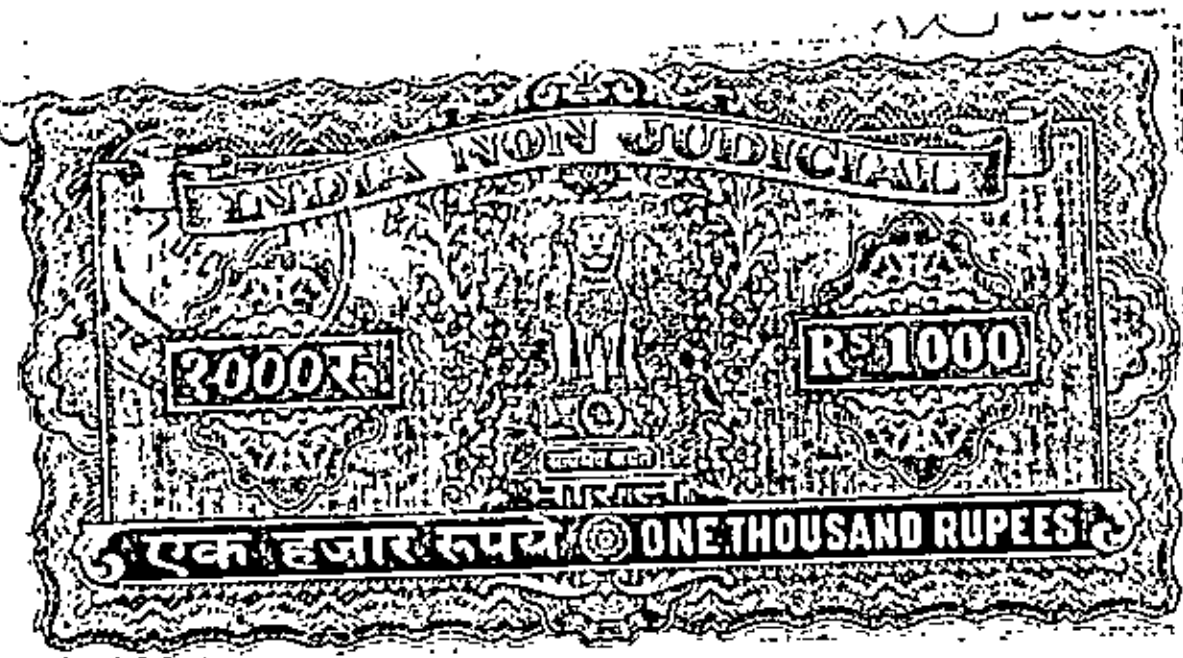
मिकरिपत बादि की बनेह से हरीदार से निल बापि या

शिवरन

शिवरन

शिवरन

२



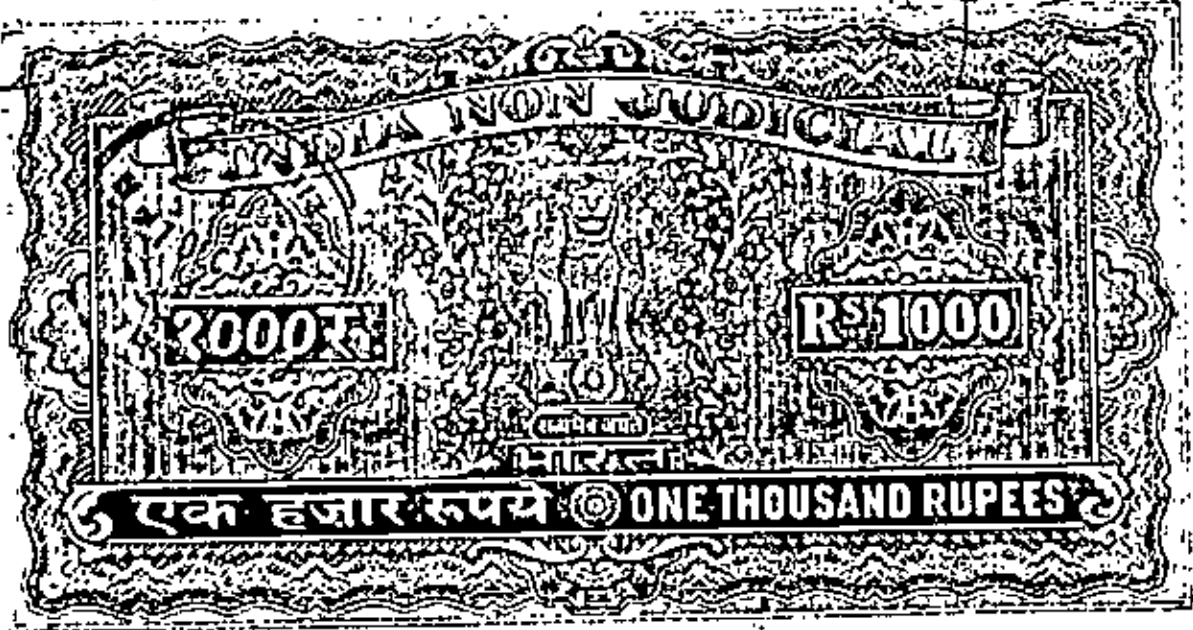
(२६)

हरीद्वार की बायबाद प्रयोग लपटा की निम्नवत बात

दिन तक की बायबाद रुद्ध की वदा या सफा करना पड़े तो

उत्तरी गारी निम्नवती मुक्ति व वारिष्ठान मुक्ति की होगी

शिवरतन _____ शिवरतन _____
 शिवरतन _____ २ _____



(10)

वैर लीदार को वधिका लीगा कि वह अपना कु

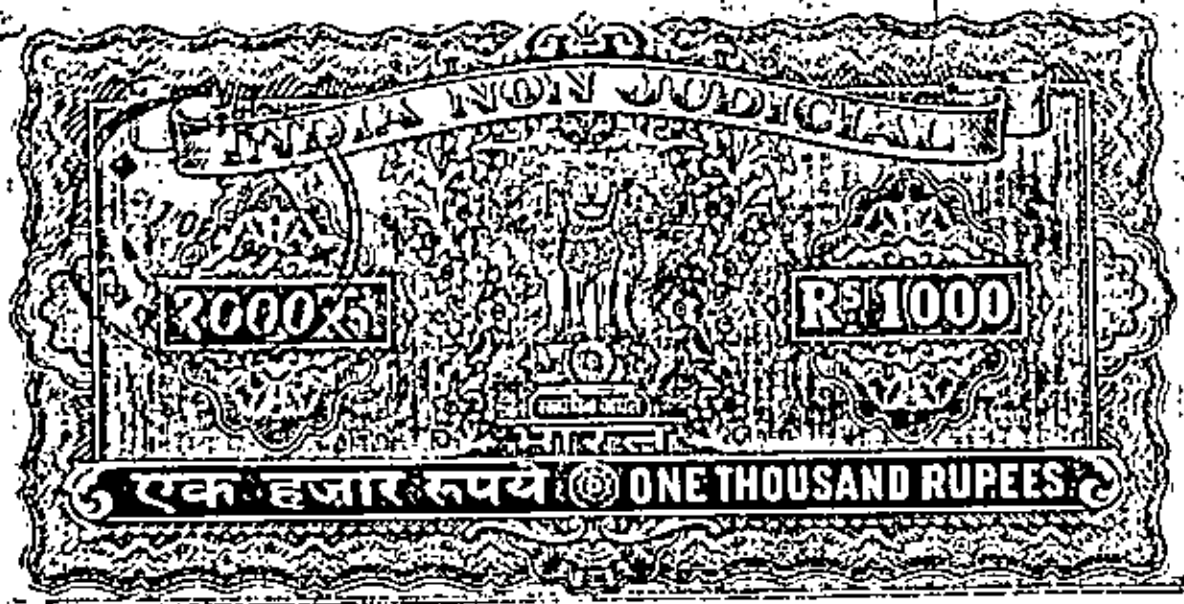
वा समन म् लना वसर्वा के मुक्ति की दीगर बात सास

वायदाद मनकुता व गैर मनकुता से किस प्रकार से बाते

शिवचरन

शिवचरन

शिवचरन



(२२)

दात दात नकद वसुल पा लेवे। उसमें मुक्ति व वाणिजान

मुक्ति को कोई उद्गार व रणराज न होगा। मुमला सरायत

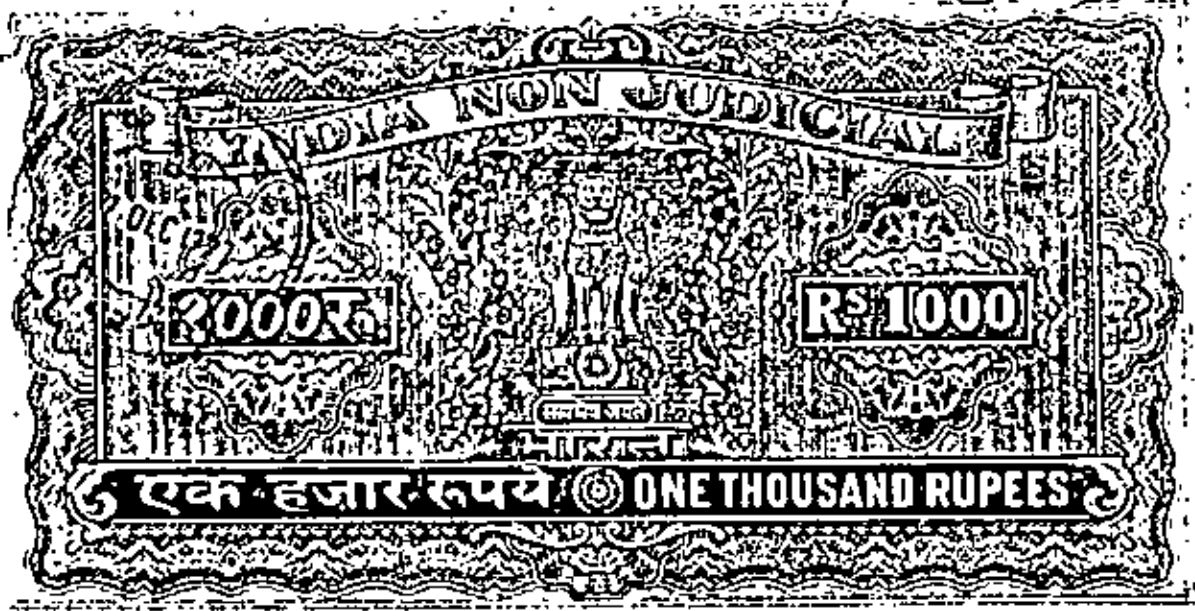
दस्तावेजहाला के पावन्दी मुक्ति व वाणिजान मुक्ति पा

द्विजजयन्त

शिवधरम

१

२



(३३)

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज़ में

यदि पित्त व पण्डितों की जा में यह यह पद कथनात

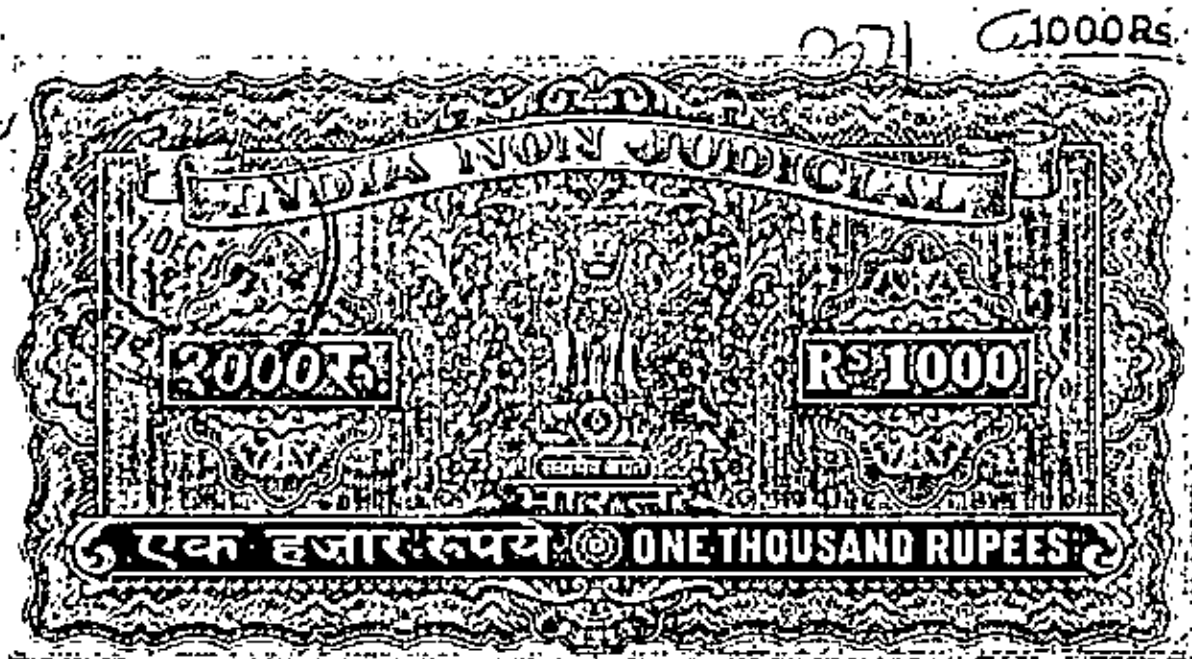
वर्तनी क कथनात कार्य तापीर का दिया ताकि तनद रहे

शिवमरन

शिपवारन

8

7



(१२)

राजिप व धानिब लोणी।

दिहांवा कुहरी लीह स्वाध पिता सिद्धि दाव

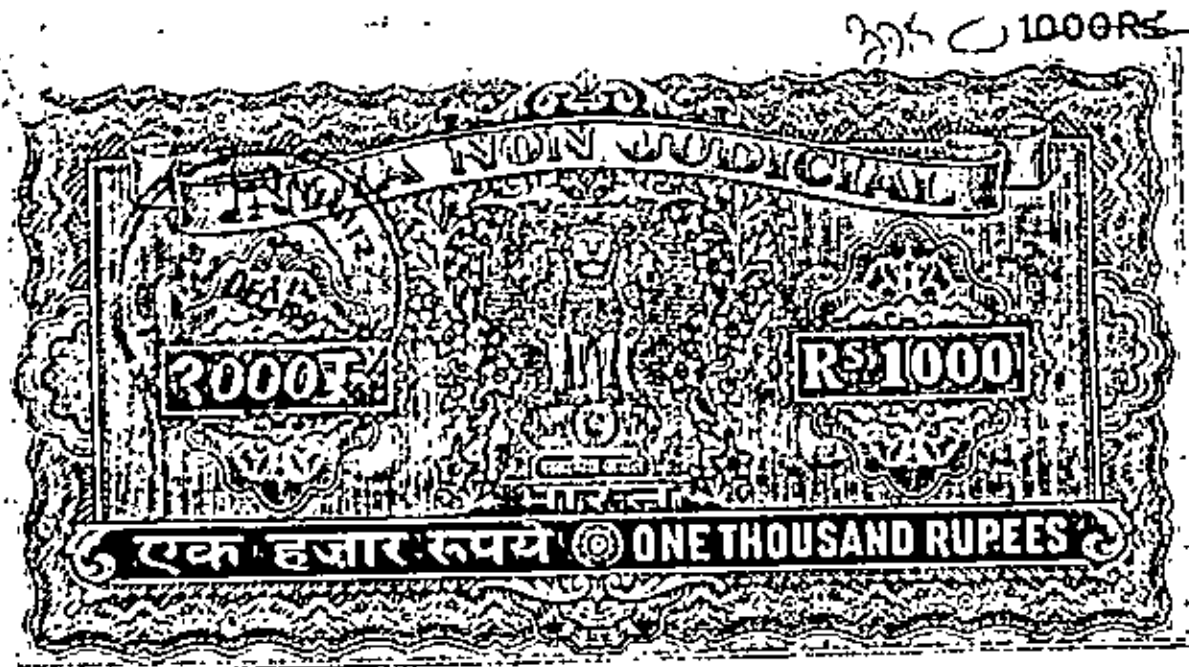
नावायन के म्म पुफा एक व लुके दास्ती वसादिरीहाउ

शिवराज

शिवराज

१

२



(१४)

वीर बल्लभ भारद्वाज का नाम था।

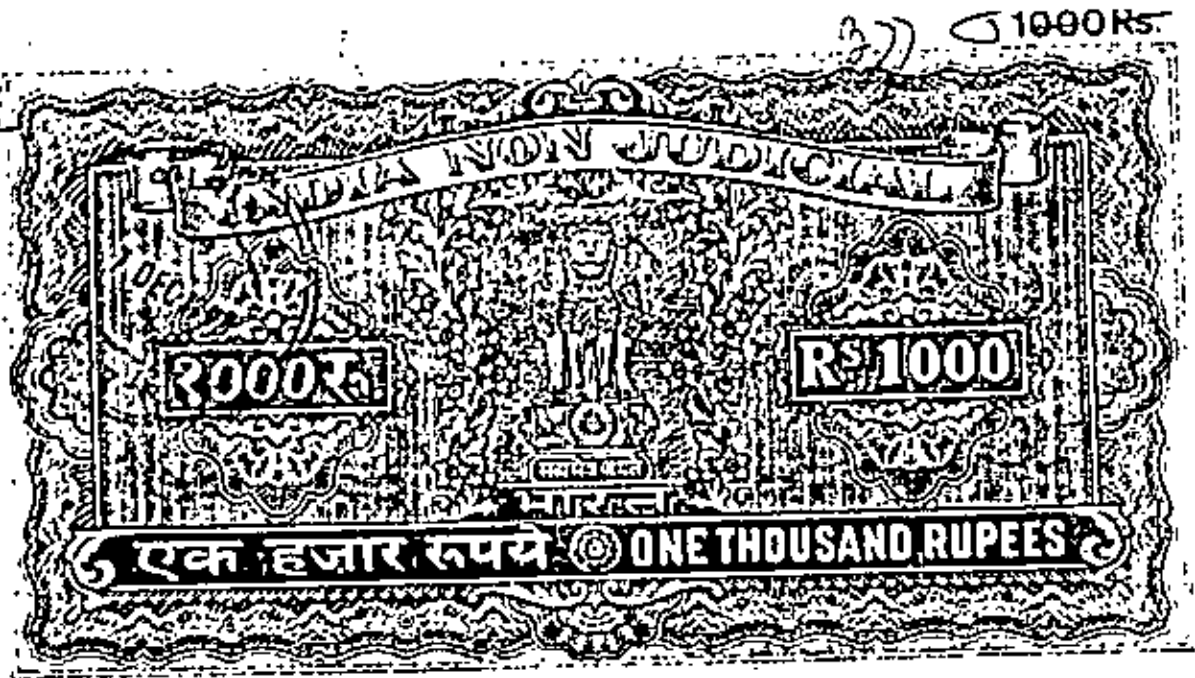
विशेष मापदाद सुझाव

वाराणसी सुभाषी नम्बरी ५७६ पाँच वीं दिहल्ला

श्रीमान जल

मिनवरन

४



(१५)

रकबा ०. ०१० हे० हुन्य दसमउव हुन्य एक हुन्य हे० व.

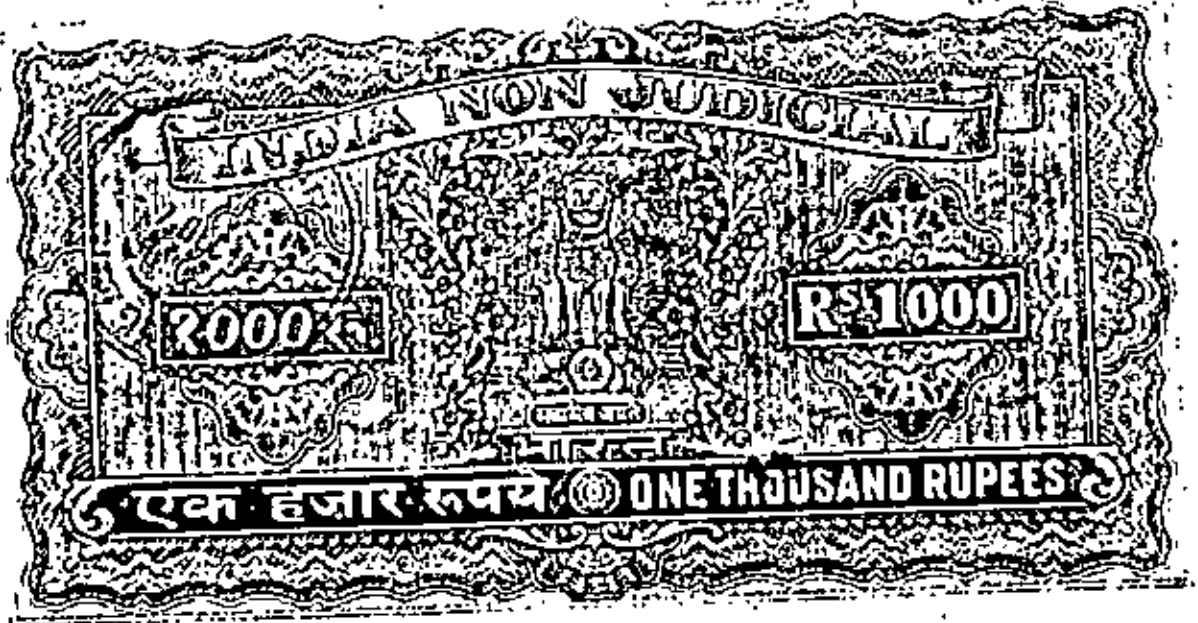
वाशकी नम्बर ५७७ पाप सी ससहत्ता रकबा ०. १०२

हे० हुन्य दसमउव एक हुन्य दो हे० कु रकबा ०. ११२ हे०.

श्रीजगरन

श्रीनन्दरन

१



(१५)

का १४ भाग एक बड़ा भाग भाग या की रकबा ०. ०२

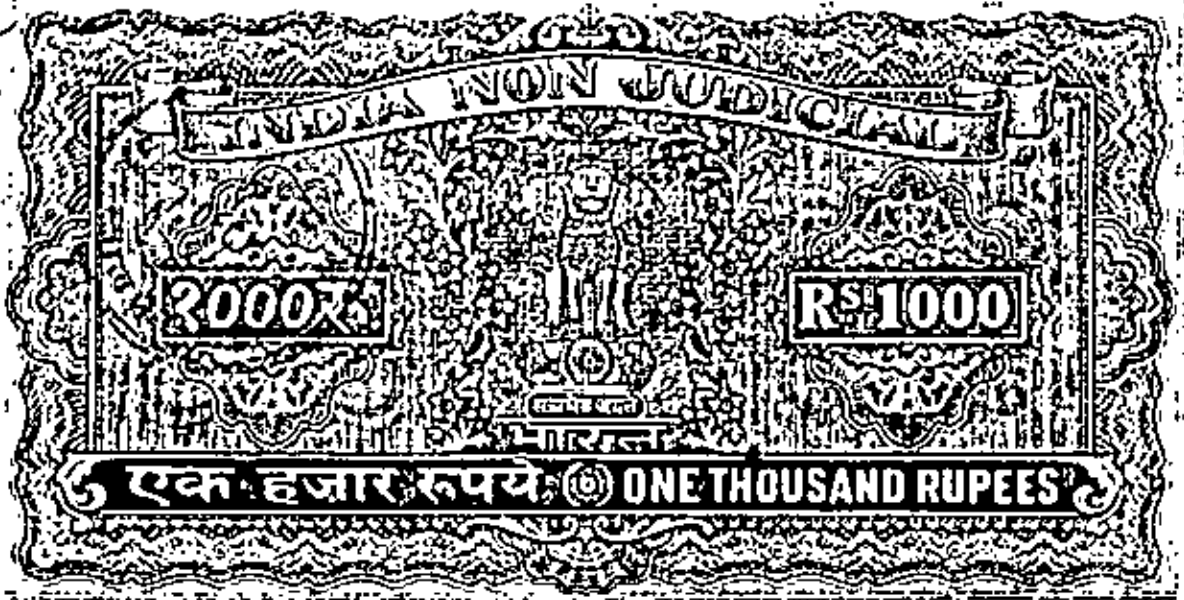
द्वय दशमक द्वय दो बाठ हो या की १२:१५ दो बिल्ला

पन्नाह बिल्ला की व बाकी नम्बर ५७७ पाँच सौ सप्तहत्तर

शिववरा

शिववरा

१



(३७)

रकबा ०, २०५ हे० हुन्य काफ़तव दो हुन्य पाप

हे० कुड तीन किता कुड रकबा ०, २३३ हे० हुन्य

काफ़तव दो तीन तीन हे० यानी १) २:१५ एक बीपा दो

१
शिवचरण

१
शिवचरण

2

e

27 1000 Rs.



(26)

विस्था पत्रक विधानी स्थित पोना बरे ककापु

कहा पंगना व तल्लील वलिता कानपुनार विज्यस्थिता

गया है विधिक विज्य की व नुपति बपारिये पत्र संख्या

श्रीववदत

शिवधर

8



(रु)

७०७ व ७१० दिनांकित - १२-६३ वकील सोहिंग

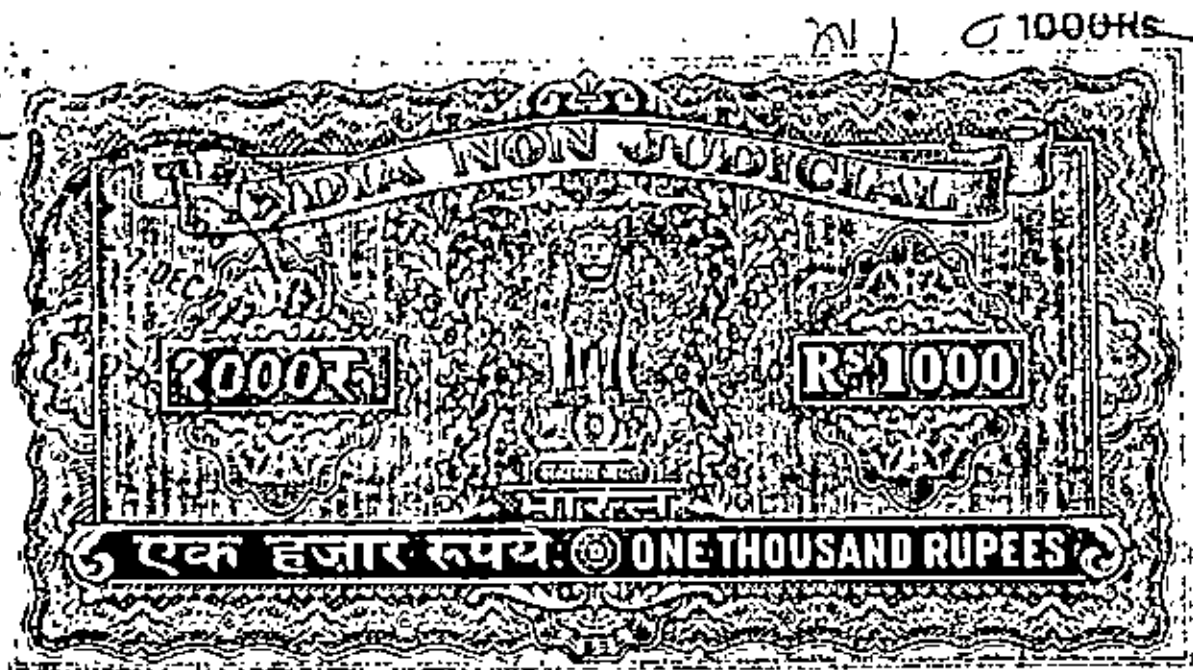
कामलिय कानपुर से प्राप्त कर सी है। डिफेंस अनुपस्थित

बाति एवं अनवाति का नहीं है। स्टाम्प क्षिप्टी सक्ति हैट

शिवचरण

शिवचरण

२



(३६)

५,००,०००/- पाँच लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से

२,८८,५००/- रुपये पर ४१,८५०/- रुपये का बका

किया गया है वापस वापस रहित प्रमाण-पत्र ६-१२-६३

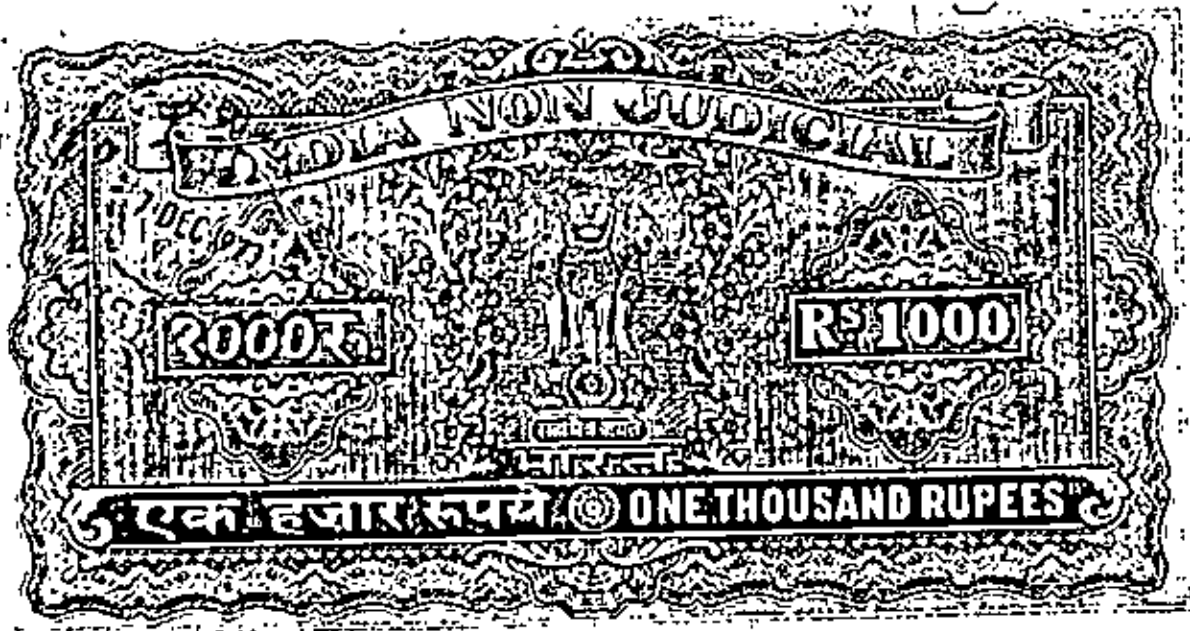
को उत्तरीय कर लिया है

प्रमाणपत्र

प्रमाणपत्र

प्रमाणपत्र

प्रमाणपत्र



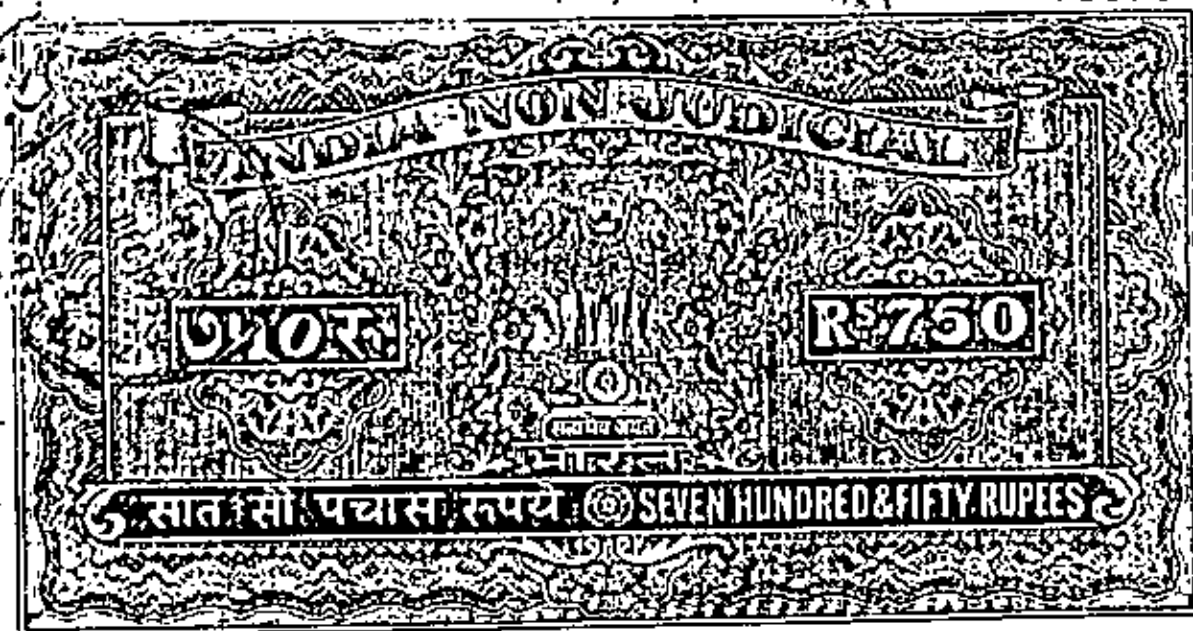
(४०)

सफाई वगैरह की परी समन मुद्रा १,४२,१८७। -

रुपया ५० केता एक लाख ब्यापि रनार एक सौ सत्तासी

शिवनरा शिवन

६



(४१)

रुपया पचास पैसा

गुवर्तिग १, ४२, १८७१ - रुपया १० पैसा एक ठात

रक्षितकरन

रक्षितकरन

१

